Content.

विषय - सूची

प्रथम अध्याय : विषय – प्रवेश 1-39

(अ) गुजरात और हिन्दी क्षेत्र का अन्तः संबंध

(आ) गुजरात में हिन्दी साहित्य की परम्परा

(इ) समाज : परिभाषा एवं तात्पर्य

(ई) समाजशास्त्रियों की दृष्टि में समाज का अर्थ

(उ) समाज और उसकी विभिन्न इकाइयाँ :

i) व्यक्ति ii) परिवार

iii) वर्ण iv) धर्म

v) अर्थ vi) राजनीति

(ऊ) समाज और साहित्य का संबंध

(ए) सामाजिक मूल्य और साहित्य

द्वितीय अध्याय : गुजरात के मध्यकालीन हिन्दी साहित्य में प्रतिबिम्बित सामाजिक जीवन 40-149

(अ) आधारभूत ढाँचा :

i) वर्ण व्यवस्था : ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र एवं अन्य जातियाँ

ii) आश्रम व्यवस्था

(आ) जीवन–निर्वाह के विभिन्न उपादान :

i) खानपान

ii) वस्त्राभूषण

iii) सौन्दर्य प्रसाधन

iv) दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुएँ

v) कलापरक मनोरंजन एवं क्रीड़ात्मक मनोरंजन

(इ) समाज की वैचारिक स्थिति

i) तत्कालीन समाज में नारी की स्थिति

ii) सामाजिक प्रथाएँ

P/Th 9928

तृतीय अध्याय : गुजरात के मध्यकालीन हिन्दी साहित्य में प्रतिबिम्बित पारिवारिक जीवन 150-183

(अ) विविध पारिवारिक संबंध तथा अन्य संबंध

(आ) पारिवारिक जीवन के संस्कार

(इ) विविध त्यौहार

(ई) शिष्टाचार, अभिवादन, अतिथि-सत्कार की रीति-नीतियाँ

चतुर्थ अध्याय : गुजरात के मध्यकालीन हिन्दी साहित्य में प्रतिबिम्बित धार्मिक जीवन 184-222

(अ) विभिन्न धार्मिक सम्प्रदायों के दृष्टिकोण

(आ) वाह्याचार

(इ) सन्तों की सुधारवादी विचारधारा

(ई) लोक विश्वास एवं मान्यताएँ

(उ) दान महिमा

पंचम अध्याय : गुजरात के मध्कालीन हिन्दी साहित्य में प्रतिबिम्बित आर्थिक जीवन 223-267

(अ) समाज की अर्थ-व्यवस्था के मुख्य स्रोत : कृषि, कृषि उत्पादन,व्यापार, उद्योग-धन्धे

(आ) व्यावसायिक वर्ग, जातियाँ

(इ) नगर संरचना और आवास

(ई) आवागमन के साधन

षष्ठ अध्याय : गुजरात के मध्यकालीन हिन्दी साहित्य में प्रतिबिम्बित राजनीतिक जीवन 268-308

(अ) राजा और प्रजा का संबंध

(आ) शासन-संचालन में सहायक मंत्री और अन्य अधिकारीगण

(इ) सैन्य-व्यवस्था

(ई) अस्त्र-शस्त्र तथा सैनिकों के अंग-त्राण

(उ) युद्ध पद्धति

सप्तम् अध्याय : उपसंहार 309-320
गुजरात के मध्यकालीन हिन्दी साहित्य के अन्तःसाक्ष्य और ऐतिहासिक विवरणों के परिप्रेक्ष्य में तत्कालीन स्थिति का पुनरीक्षण

परिशिष्ट